बिहार विधान-सभा वादवृत

(भाग—२—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर रहित।)

मंगलवार, तिथि १८ जून, १९७४।

विषय-सूची

पृष्ठ

अध्यक्ष का नियमन : .... १—३

श्री सूरज नारायण सिंह स० वि० स० की हत्या से सम्बन्धित रमण कमीशन के प्रतिवेदन का सभा मेज पर रखे जाने के संबंध में चर्चा। ३-४

मुख्य सचिव श्री मेनन के स्थानान्तरण के सम्बन्ध में चर्चा (क्रमशः)। .... ४—६

ध्यानाकर्षण सूचना :

सिंह भूमि जिलान्तर्गत मनोहरपुर में जंगल के ठीकेदारों के मातहत गरीब आदिवासियों द्वारा जुलूस निकाले जाने पर पुलिस द्वारा गोली चलाया जाना। ६-७

मुख्य सचिव श्री मेनन के सम्बन्ध में चर्चा। .... ७—१०

ध्यानाकर्षण सूचना पर सरकारी वक्तव्य :

सिंहभूमि जिलान्तर्गत मनोहरपुर में जंगल के ठीकेदारों के मातहत गरीब आदिवासियों द्वारा जुलूस निकाले जाने पर पुलिस द्वारा गोली चलाया जाना। .... १०—१५

ध्यानाकर्षण सूचना एवं उस पर सरकारी वक्तव्य :

गुमला अनुमण्डलीय अस्पताल में श्री सुकरू भगत, स. चि० स० की चिकित्सा की समुचित व्यवस्था के अभाव में मृत्यु। .... १६—२०

उपाध्यक्ष —सरकार का जवाब दो ही तरह से मिल सकता है एक है जेनरल डिस्कसन में इसको उठाये तो, इसका जवाब सरकार देगी और या नहीं तो सोर्ट नोटिस क्वेश्चन करे उस पर सरकार जवाब देगी। सदन में बहुत से प्रश्न उठाये गये हैं और चार्ज लगाये गये हैं और सत्रका जवाब सरकार देने को कहा जा रहा है लेकिन ऐसा अभी संभव नहीं है।

इस अवसर में सदन पर शोरगुल के बीच श्री टीकाराम मांझी अपनी ध्यानाकर्षण सूचना को पढ़ने लगे।)

श्री टीकाराम मांझी—दिनांक ८-४-७४ को सिंहभूमि जिला के मनोहर पुर में जंगल के एक ठीकेदारों के मातहत काम करने वाले गरीब आदिवासी मजदूरों के शांतिपूर्ण जुलूस, जो १२-१४ घंटा काम करने बजाय ८ घंटा काम एव डेढ़ रुपये प्रति दिन मजदूर के बजाय कम-से-कम ३ रुपये मजदूरी मांग रहे थे, को पुलिस ने घेर कर उन निहत्थों मजदूरी पर गोली चलाई फलस्वरूप एक व्यक्ति की मृत्यु हो गयी एवं अन्य ४ व्यक्तियों को गोली पीठ से लगकर पेट के अन्दर चली गयी। ये लोग सख्त घायल चिंताजनक अवस्था में अस्पताल में पड़े हुए हैं। लाश मृतक परिवार का न देकर पुलिस बिना पोस्टमार्टम किये ही लाश को दफना दिया तथा केस को दबा दिया।

(इस अवसर पर कांग्रेस दल से एक साथ २०-२५ सदस्य बोल रहे थे, जिससे किसी का भी वाक्य स्पष्ट नहीं हो पा रहा था।)

मुख्य सचिव, श्री मेनन के स्थानान्तरण के सम्बन्ध में चर्चा।

श्री जनार्दन तिवारी—मेनन साहब को लेकर ही सब झंझट है, लेकिन अब उनकी बदली हो गयी है।

श्री भोला प्रसाद सिंह —इतना महत्त्वपूर्ण सबाल है, आप टालिए नहीं।

श्री ललितेश्वर प्रसाद शाही—एक स्पेसिफिक बात कही गयी है, उसका जवाब जल्दी में सरकार नहीं दे सकती है, इसे मैं बिल्कुल सही मानता हूं, लेकिन बेसिक बात है कि एक महीना पहले से दो आदमी यहां चीफ सेक्रेटरी हैं, यह अवस्था सरकार को भी मालूम है और लोगों को भी मालूम है। मैं जानना चहता

हूँ कि यह व्यवस्था और कितने दिनों तक चलेगी ? यह तो सरकार बता सकती है ?

उपाध्यक्ष—आप प्रश्न पूछिए, सरकार जवाब देगी।

(इस अवसर पर पुनः २०-२५ सदस्य एक ही साथ उठकर बोलने लगे।)

श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह—मेरा प्वायंट ऑफ ऑडर है, मैं प्रश्न पूछते हुए पूछना चाहता हूँ कि सरकार को मालूम है या नहीं कि एप्वायंटमेंट डिपार्टमेंट बहुत भ्रष्ट हो गया है।

(हंसी, जवाब नहीं मिला)

★श्री चन्द्रशेखर सिंह (साम्यवादी)—जिस सवाल को बहुत से माननीय सदस्यों ने उठाया है और जैसा बहुत से माननीय सदस्यों के बयान से लगा, उससे मालूम हुआ कि दो चीफ सेक्रेटरी एक महीने से फंकशन कर रहे हैं या फंकशन करने की हालत में हैं। बात जो भी हो, लेकिन जैसा श्री ललितेश्वर प्रसाद शाही ने अभी कहा मैं भी सरकार का ध्यान आकृष्ट करूँगा कि किसी भी प्रशासन के लिए यह बहुत सोचनीय स्थिति होगी, अगर इतने महत्त्वपूर्ण पद पर चीफ सेक्रेटरी जो चीफ ऑफ ऐडमिनिस्ट्रेशन होता है, सिविल अफसर्स का हेड है जिस के हाथ में सारे शासन की बागडोर रहती है, वहाँ पर दो-दो पैरेलल व्यक्ति के रहने से कन-फ्यूजन की स्थिति हो जाती है और यह बहुत दुःखद बात है। रूल भी ऐसा प्रोवाल्ड नहीं करता है और सरकार की अक्षमता का यह द्योतक है कि वह इस पर फैसला नहीं कर सकती है कि दो में कौन रहनेवाले हैं, यदि सरकार नए की रचना चाहे, तो पुराने को तुरत चार्ज हैंड ओवर करके जाना चाहिए। इसी तरह से और कुछ अफसरों के बारे में सवाल उठाया गया है और कहा गया है कि ऐसे-ऐसे लोगों को लाया जा रहा है। कुछ ऐसे लोगों को यहाँ लाया गया है, जिसके बारे में राज्य में काफी हंगामा हुआ, उस अफसर ने कहा कि बिहार की जनता को हम टैंक से कुचल देंगे। तो ऐसे अफसर की तो बिहार से बाहर हो जाना चाहिए। जो अफसर टैंक के बल पर शासन करने का शब्द इस्तेमाल करता हो। मैं समझता हूँ कि सरकार को ऐसा बयान देने का अधिकार है, लेकिन कोई अफसर चाहे कि वह चीफ सेक्रेटरी हो या आई० जी० ही क्यों हो, वह यह कहें कि राज्य की स्थिति को टैंक के बल पर कंट्रोल करेंगे, तो मुझे ऐसा लगता है कि ऐसे-ऐसे गैर

जवाबदेह अफसर जो हैं, उनको यहाँ नहीं रहना चाहिए, ऐसे-ऐसे अफसरों को यहाँ क्यों लाया जा रहा है ? हमारे यहाँ जो अफसर हैं उनका रेकर्ड देखें, अच्छे अफसर अपने यहाँ सभी लोग रखते हैं, लेकिन यह अजीब बात है कि अपने यहाँ से अच्छे अफसरों को बाहर भेजा जाता है। इस स्थिति की जाँच होनी चाहिए और जो अच्छे अफसर हों उन्हें आप रखें, केन्द्र से भी अच्छे अफसर मिलें, तो वहाँ से लें। संकीर्णता के दायरे में सोचकर अफसरों के चंगुल में आकर आप गलत चुनाव न करें, यह मेरा निवेदन है।

श्री दारोगा प्रसाद राय—उपाध्यक्ष महोदय, कुछ बातें सदन में उठी और काफी सदन को फिलिंग भी है, लेकिन एक हजार प्रश्नोत्तर उठने लगे, तो उसका जवाब देने का वक्त तो नहीं हैं और इस तरह से होगा तो मैं जवाब नहीं दूँगा।

(सदन में काफी हल्ला, कई माननीय सदस्य एक साथ खड़े होकर बोल रहे थे।)

उपाध्यक्ष—शान्ति शान्ति। आपलोग को सरकार का जवाब सुनना चाहिये।

श्री राजमंगल मिश्र—उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री ने रोब में कहा कि हम जवाब नहीं देंगे।

श्री दारोगा प्रसाद राय—मैंने रोब में नहीं कहा। मैंने कहा कि इस तरह क्वेश्चन करते रहेंगे, तो जवाब नहीं दूँगा।

(सदन में हल्ला। आवाज : उन्होंने कहा कि जवाब नहीं देंगे।)

उपाध्यक्ष—उन्होंने कहा कि हम जवाब देने के लिये तैयार हैं, लेकिन एक बार हजार प्रश्न करेंगे तो मैं जवाब नहीं दूँगा। उन्होंने यह नहीं कहा कि हम जवाब नहीं देंगे।

श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह—हमलोग कोई मिनिस्ट्री के गुलाम नहीं है। इनका काम अच्छा नहीं हो रहा है।

श्री दारोगा प्रसाद राय—मैंने जो कुछ कहा है, वह आपने भी सुना है और सदन ने भी सुना है और उपाध्यक्ष महोदय ने भी सुना है।

श्री राजमंगल मिश्र—उपाध्यक्ष महोदय, सदन में माननीय सदस्य जब कोई

प्वायंट उठावें तो माननीय मंत्री रोव में नहीं कहें। हमने जो एलिगेशन लगाया है, वह सही है या नहीं ? दूसरा यह कि मेनन साहब अच्छे अफसर हैं, तो उन्हें बिहार में क्या परमानेंट रखना चाहते हैं ? इसके बारे में बतावें।

श्री राजो सिंह—अगर उनको रखना है तो सरकार बतावे कि उनको कितना दिन रखना है, एलान करे कि मेनन साहब को बारह वर्ष या १४ वर्ष रखेंगे।

★श्री दारोगा प्रसाद राय—माननीय सदस्य को गलत फहमी हुई है। मैंने कोई रोष भरे शब्दों में नहीं कहा है, लेकिन अगर यह प्रश्नोत्तर का समय होता, तो आप जितना प्रश्न करते और उपाध्यक्ष महोदय आपको एलाउ करते मैं जवाब देता, लेकिन अभी तो सूचना के लिये सवाल उठा है, तो मैं बताना चाहता हूँ, लेकिन आप इतना न प्रश्न करते हैं कि सफाई मैं दे नहीं पा रहा हूँ।

जितनी भी बातें उठी हैं, उसमें मूलतः बात दो चीफ सेक्रेटरी अभी हैं, उसको लेकर है। इसमें मेनन साहब को इतना महत्व देने की बात नहीं है। यह तो आपको चाहे हमको या मुख्य मंत्री को पूछना चाहिये। यह मंत्रिमण्डल की जिम्मेदारी है। इस तरह किसी सिविल सर्वेंट को पिक कर लेना उचित नहीं है। किसी ऑफिसियल के ट्रान्सफर-पोस्टिंग की जिम्मेदारी पूरी तौर पर मन्त्रिमण्डल पर है।

यह कैबिनेट ने ही फैसला लिया था कि ऐसे सिचुयेशन में वे अभी रहें। नये चीफ सेक्रेट्री अभी भी लैंड रिफोर्मस कमिश्नर हैं और डे-टू-डे काम को करते हुए चीफ सेक्रेट्री के साथ काम करते हैं। पांच तारीख को ही मेनन साहब ने कहा था कि चार्ज देकर वे चले जायेंगे, लेकिन कुछ ऐसा सिचुयेशन है कि उन्होंने कुछ बात के लिये रहना पड़ेगा, ऐसा कैबिनेट का निर्णय हुआ। अगर आपलोगों को पिलिंग है, तो आज ही मन्त्रिमण्डल में इस पर विचार करेंगे।

ध्यानाकर्षण सूचना पर सरकारी वक्तव्य :

सिंहभूमि जिलान्तर्गत मनोहरपुर में जंगल के ठीकेदारों के मातहत गरीब आदिवासियों द्वारा जुलूस निकाले जाने पुलिस द्वारा गोली पर चलाया जाना।

श्री दारोगा प्रसाद राय—(१) यह बात सही नहीं है कि दिनांक ८-४-७४ को जिन मजदूरों के साथ गोली की घटना घटी वे जंगल के ठीकेदारों के मातहत